भारतीय शिक्षण मंडल-युवा आयाम

ऋग्वेद, द्वितीय तल, ए- 71 अमृत नगर
साउथ एक्सटेंशन पार्ट -1, नई दिल्ली- 110003
ईमेल: bsmvivibha2024@bsmbharat.org वेबसाइट: www.bsmbharat.org

विज़न फॉर विकसित भारत (Vision for Viksit Bharat)

शोधपत्र लेखन प्रतियोगिता (Research Paper Writing Competition)

दिशानिर्देश

प्रिय शोधार्थियों,

अनुसंधान देश के विकास का मूल आधार है। अनुसंधान से देश उन्नति की ऊँचाइयों तक पहुँच सकता है। प्रकृति के प्रति जिज्ञासा, प्रश्न उत्पन्न होना और उसके उत्तर खोजना हर युवा का स्वभाव होता है। इस स्वभाव को उदात्त उद्देश्य की ओर प्रोत्साहित करने से देश की प्रगति सुनिश्चित हो जाती है।

जब जीवन का उद्देश्य उदात्त हो और स्पष्ट हो तब उदात्त प्रश्न ही आविर्भूत होते हैं। उत्तर खोजने के लिए युक्तियों की आवश्यकता होती है और यदि पद्धति भारतीय मूल्यों पर आधारित और युगानुकूल ना हों तब राष्ट्र के उत्थान में युवा योग्य योगदान नहीं दे पायेंगे।

अत: हमारा संकल्प है कि हर युवा में उदात्त प्रश्न और उनके उत्तर खोजने के इस नैसर्गिक स्वभाव को प्रेरित कर अथाह युवा शक्ति को भारतीय अनुसंधान पद्धति के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए सक्रिय किया जाए।

सक्रिय, सकारात्मक, समर्पित प्रतिभावान युवा राष्ट्र जीवन के हर क्षेत्र में गति प्रदान कर सकते हैं। इसलिए, ऐसे तेजस्वी और ओजस्वी युवाओं के सक्रिय योगदान से नीति, संरचना और कार्य संस्कृति का निर्माण करना देश के विकास के लिए अति आवश्यक है। भारतीय युवाओं के इसी नैसर्गिक ओज को राष्ट्रोत्थान में सक्रिय करने हेतु ही भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा "विजन फॉर विकसित भारत : विविभा " - शोधार्थी सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसकी पूर्व तैयारी के रूप में प्रांत स्तर पर शोधपत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

शोधपत्र के मुख्य विषय एवं उप विषय : इनमें से किसी एक विषय पर लेख लिखा जा सकता है-

1. ज्ञान -विज्ञान एवं तंत्रज्ञान	**2. समृद्ध भारत के लिए पर्यावरण संरक्षण**
1.1 आधुनिक तंत्रज्ञान में प्राचीन ज्ञान संपदा	2.1 वेदों में पर्यावरण : भारत @ 2047
1.2 पारंपरिक चिकित्सा के नवीन अनुप्रयोग	2.2 जलवायु परिवर्तन
1.3 डिजिटल परिवर्तन और भारतीय ज्ञान संरक्षण	2.3 भूजल एवं नदियों का संरक्षण
1.4 भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण और खगोलीय विरासत	2.4 पर्यावरण कानून और स्थिरता की चुनौतियां
1.5 भारतीय अभियंत्रिकी तथा सरंचना का विकास	2.5 पर्यावरण संरक्षण और सुस्थिर विकास लक्ष्य

3. महिला – सशक्तिकरण की दृष्टि 3.1 शिव और शक्ति : द्वन्द नहीं पूरक 3.2 विश्वगुरु भारत में महिलाओं की भूमिका 3.3 भारतीय माँ : बहुआयामी शक्तिपुंज 3.4 मातृशक्ति नेतृत्व और विकसित भारत 3.5 पश्चिमी नारीवाद एवं भारतीय स्त्रीत्व : तुलनात्मक अध्ययन	**4. इतिहास की सही दृष्टि और भारत का दीप्तिमान भविष्य** 4.1 1947-1952 तक भारत में शासन तथा प्रशासन व्यवस्था 4.2 1835 से पूर्व की भारतीय शिक्षा व्यवस्था 4.3 ईसा पूर्व कालखंड में पंचांग 4.4 18 वीं शताब्दी में भारतीय एकात्मता निर्माण में भक्ति पंथ का योगदान 4.5 1942 - 1947 के मध्य भारतीय स्वाधीनता संघर्ष का इतिहास
5. कला, साहित्य एवं संस्कृति 5.1 भारत की आधार शिला : भारतीय संस्कृति 5.2 साहित्य और मानव जीवन का उत्थान 5.3 भारतीय कलाओं का दर्शन और विश्वव्यापी प्रभाव 5.4 भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा : वसुधैव कुटुंबकम् 5.5 उपनिषद् : भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की खोज	**6. वाणिज्य, अर्थशास्त्र एवं प्रबंधन** 6.1 एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य 6.2 डिजिटल युग में नवाचार और उद्यमिता 6.3 सुस्थिर विकास और भारतीय समाज की भूमिका 6.4 भारतीय ज्ञान संपदा में व्यापार रणनीति 6.5 नेतृत्व की भारतीय संकल्पना
7. राष्ट्रीय सुरक्षा 7.1 भू-राजनीतिक संघर्षों में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आधारभूत संरचना की साइबर सुरक्षा 7.2 सूचनाओं का संघर्ष- सोशल मीडिया का प्रभाव इस पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए विमर्श निर्माण की भूमिका 7.3 रक्षा क्षेत्र में स्वावलंबन के लिए आत्मनिर्भर भारत की भूमिका 7.4 अंतरिक्ष कमान, निर्देशित ऊर्जा हथियार, ड्रोन और भविष्य का युद्ध तंत्रज्ञान 7.5 पर्यावरण और प्राकृतिक सम्पत्तियों का क्षरण और राष्ट्रीय सुरक्षा पर उनका दीर्घकालिक प्रभाव	**8. भारतीय ज्ञान परंपरा** 8.1 भारत में गणित शास्त्र की विरासत 8.2 प्राचीन एवं मध्ययुगीन भारतीय अर्थव्यवस्था, उद्योग एवं व्यापार 8.3 गर्भस्थ शिशु पर भारतीय संगीत का प्रभाव 8.4 भारत का पाण्डूलिपि ज्ञान और आधुनिक विज्ञान पर उसका प्रभाव 8.5 स्मार्ट सिटी और शहर प्रबंधन में भारतीय स्थापत्य शास्त्र की भूमिका
9. ग्रामीण विकास एवं स्वरोजगार 9.1 ग्रामीण विकास : चुनौतियाँ एवं समाधान 9.2 ग्रामीण भारत में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण 9.3 ग्रामीण विकास में तकनीकी शिक्षा की भूमिका 9.4 कृषि आधारित उद्योग एवं व्यापार 9.5 विकसित भारत के निर्माण में गौ आधारित और जैविक कृषि की भूमिका	**10. विधि एवं न्याय** 10.1 समान नागरिक संहिता संवैधानिक आकांक्षा एवं लैंगिक न्याय 10.2 अपराधिक न्याय का विऔपनिवेशीकरण : भारतीय अपराधिक न्याय शास्त्र का जन्म 10.3 कानून, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर आतंकवाद 10.4 नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा 10.5 अल्पसंख्यक की व्याख्या, अल्पसंख्यकवाद तथा संविधान

11. भारतीय शिक्षा : भूत, वर्तमान और भविष्य

11.1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और विकसित भारत @2047

11.2 शिक्षा की भारतीय संकल्पना

11.3 भारतीय शिक्षा : विश्वकल्याण की दृष्टि

11.4 भारतीय शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : तुलनात्मक अध्ययन

11.5 मूल्याधारित शिक्षा

12. सहभागिता स्तर

12.1 **स्नातक विद्यार्थी** (UG)

12.2 **परास्नातक विद्यार्थी** (PG)

12.3 **शोधार्थी** (Ph.D. Scholar)

12.4 **अन्य** (Open) 40 **वर्ष से कम आयु वर्ग**

13. प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु आवश्यक नियम:

13.1 पंजीयन : शोधपत्र भारतीय शिक्षण मंडल के जालस्थल www.bsmbharat.org पर पंजीयन की प्रक्रिया के उपरांत जमा करना है।

13.2 पंजीयन सहयोग : नि:शुल्क

13.3 पंजीयन की अंतिम तिथि : 30 जून 2024 सूर्यास्त तक

13.4 शोधपत्र जमा करने की अंतिम तिथि : 31 जुलाई 2024 सूर्यास्त तक

13.5 सह लेखक : एक से अधिक शोधार्थी द्वारा लिखे गए शोधपत्रों की अनुमति नहीं होगी।

13.6 एकाकी प्रस्तुतीकरण : एक प्रतिभागी केवल एक शोधपत्र जमा कर सकते हैं ।

13.7 मौलिकता : शोधपत्र लेखन का मूल विश्लेषण और स्वयं का कार्य होना चाहिए। पूर्व में प्रकाशित शोधपत्र स्वीकार नहीं होगा। समानता सूचकांक 20% से कम अपेक्षित है।

14. शोधपत्र प्रारूप हेतु निर्देश:

14.1 **भाषा**

14.1.1 शोधपत्र भारतीय भाषाओं में तथा एक विदेशी भाषा अंग्रेजी में आमंत्रित हैं।

14.2 **शब्द सीमा**

14.2.1 शोधपत्र की शब्द सीमा **3000** से **5000** हो।

14.3 **प्रारूप**

14.3.1 अंग्रेजी फॉन्ट **'Times New Roman'** तथा भारतीय भाषाओं में केवल **'Unicode'** फॉन्ट तथा आकार **(font size)-12** का प्रयोग करें।

14.3.2 मार्जिन चारों ओर से **1** इंच **(2.5** से.मी.**)** हो।

14.3.3 शोधपत्र Word File तथा PDF File में जमा करें।

15. आरेख और उद्धरण (चार्ट एवं साइटेशन)

15.1 आरेख और रेखाचित्र शैलीबद्ध होने चाहिए अर्थात आलेख को प्रारूप **(format)** में विकसित कर उचित रूप में सम्मिलित करें। सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर **(excel** जैसे**)** से सीधे परिणामों को शोधपत्र में लगाना संतोषजनक नहीं है।

15.2 स्रोतों तथा संदर्भों को व्यवस्थित और सटीक रूप से उद्धृत किया जाए।

15.3 यथा संभव भारतीय मूल ग्रंथों का संदर्भ व्यवस्थित रूप से उद्धृत किया जाना चाहिए।

16. शीर्षक पृष्ठ और सार

16.1 शीर्षक पृष्ठ में लेखक का नाम**,** संस्थागत संबद्धता और अणुडाक लिखें।

16.2 पेज फुटर में केवल पृष्ठ क्रमांक ही हो।

17. मूल्यांकन

17.1 मूल्यांकन समिति : शोधपत्रों का मूल्यांकन भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों द्वारा किया जाएगा।

17.2 मापदंड : शोधपत्र का मूल्यांकन विद्वानों द्वारा निर्धारित मापदंडों के आधार पर किया जाएगा। मौलिकता, विश्लेषण, स्रोतों की प्रमाणिकता तथा समाधानमूलक निष्कर्ष को वरीयता दी जाएगी।

18. पुरस्कार

18.1 घोषणा :15 अगस्त 2024 से 30 अगस्त 2024 के मध्य प्रांत स्तर पर परिणाम घोषणा और प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

18.2 शोधपत्र प्रकाशन के सभी सर्वाधिकार (Copyright) भारतीय शिक्षण मंडल के पास होंगे।

अधिक जानकारी भारतीय शिक्षण मंडल के अधिकृत जालस्थल www.bsmbharat.org **पर देखें।**

संपर्क सूत्र :

1. **केरल, तमिलनाडु** : डॉ. आनंद वेंकट : 9282229545
2. **कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना** : डॉ. गिरीश तेंगिनमठ : 8892210595
3. **महाराष्ट्र, गुजरात :** डॉ.शिवसिंह बघेल : 9425847778
4. **मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़** : डॉ. हरेषकुमार बांभणीया : 9033344401
5. **राजस्थान** : डॉ. मुकेश शर्मा : 9799130307
6. **दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख** : श्री नरेश तंवर : 9891315171
7. **पश्चिम उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड** : डॉ. जसपाल कौर : 9781029691
8. **पूर्वी उत्तर प्रदेश** : श्री राजीव नयन : 8178717118
9. **बिहार, झारखण्ड** : डॉ. अंबालिका आर्यन : 9717433153
10. **बंगाल, उड़ीसा** : श्री प्रियोजित भट्टाचार्य : 8240739368
11. **असम, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नागालैंड, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश** :

    डॉ. अखिलेश शर्मा : 9413224221

नोट: शोधपत्र लेखन हेतु प्रारूप संलग्न है।

शोधपत्र का शीर्षक

शोधार्थी का नाम
पद
संस्थान का नाम
अणुडाक

शोध सार (Abstract):

शोध सार के अंतर्गत संपूर्ण अध्ययन का संक्षिप्त विवरण (200-250 शब्द) प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यह अनुभाग खोज ग्राफ़/अक्षरों का अवलोकन प्रदान करेगा।

प्रस्तावना (Introduction):

विषय के चुनाव एवं उसके अध्ययन की उपयोगिता/प्रासांगिकता का परिचय इस खंड में दिया जाना है। प्रस्तावना के अंतर्गत शोध विषय का वर्णन एवं पूर्व में किए गए शोध के सारांश पर चर्चा करना चाहिए। यदि आवश्यकता हो तो शोध अंतराल को शामिल किया जाना चाहिए एवं शोध मौलिकता एवं निष्पत्ति का संक्षिप्त विवरण यहाँ सम्मिलित किया जाना चाहिए।

कार्यप्रणाली (Methodology) :

शोध क्या है? क्यों एवं कैसे किया गया? मूलत: इन्ही प्रश्नों के उत्तर/तर्क शोधार्थी द्वारा यहाँ दिया जाना है। इस हेतु शोध समस्या का निर्धारण एवं निरूपण, उद्देश्य, शोध प्रश्न/उपकल्पना, शोध अभिकल्प, शोध प्रकृति, शोध प्रतिचयन, शोध समग्र, शोध में प्रयुक्त तथ्य संकलन एवं तथ्य विश्लेषण विधियाँ शामिल की जानी है। शोध के दौरान ध्यान में रखे गए किसी भी नैतिक विचार का संक्षेप में उल्लेख करें, विशेष रूप से मानव विषयों से जुडे अध्ययनों के लिए।

परिणाम (Result):

शोध अध्ययन के पश्चात् प्राप्त परिणामों का विस्तृत विवरण यहाँ दिया जाना है। शोधार्थी द्वारा प्रयुक्त शोध प्रविधि के अंतर्गत गुणात्मक एवं मात्रात्मक या दोनों तरह के विश्लेषण से प्राप्त तथ्य यहाँ प्रस्तुत किए जाने हैं (आरेख एवं तालिका का प्रयोग किया जा सकता है।) अपने अध्ययन में किसी भी सीमा को स्वीकार करें जो परिणामों की व्याख्या को प्रभावित कर सकती है।

चर्चा (Discussion):

आपके द्वारा किए गए शोध से प्राप्त परिणाम का क्या महत्व है? अर्थात शोध के अंतर्गत परिणाम जांच के उपरांत चयनित शोध विषय उन मुद्दों को कैसे संबोधित करता है, का विवरण दिया जाना है। साथ ही यह खंड भविष्य में इस तरह के शोध के लिए सीमाओं और दिशाओं पर भी प्रकाश डालता है। अपने निष्कर्षों के आधार पर भविष्य के शोध या व्यावहारिक अनुप्रयोगों के लिए सिफारिशें प्रदान करें।

निष्कर्ष (Conclusion):

निष्कर्ष का उद्देश्य शोध परिणाम से प्राप्त तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए। इससे पाठकों को यह समझने में सहायक होता है कि आपका शोध पत्र उनके लिए क्या महत्व रखता है? शोधार्थी को यह ध्यान देना चाहिए कि निष्कर्ष केवल आपके शोध बिंदुओं का सारांश या आपकी शोध समस्या का पुनः कथन नहीं है, बल्कि परिणाम एवं चर्चा से प्राप्त प्रमुख बिंदुओं का संश्लेषण है।

अभिस्वीकृति (Acknowledgement):

वित्तीय सहायता को स्वीकार करने के अलावा, उन व्यक्तियों को भी स्वीकार करने पर विचार करें जिन्होने शोध में योगदान दिया लेकिन लेखकों के रूप में सूचीबद्ध नहीं हैं।

संदर्भ सूची (References):

संदर्भ सूची से यहाँ तात्पर्य शोध में उपयोगी आलेख, शोध पत्र और किसी भी तरह के उद्धृत पुस्तकों/स्रोतों की एक वर्णानुक्रमिक सूची से है। प्रत्येक संदर्भ के लिए लेखक का नाम, दिनांक/वर्ष, लेख शीर्षक, जर्नल शीर्षक, जर्नल वॉल्यूम संख्या, पृष्ठ संख्या, प्रकाशक, प्रकाशक का स्थान, वेबसाइट आदि के संबंध में विशिष्ट दिशानिर्देश प्रणाली का पालन किया जाना चाहिए।

नोट:

- शीर्षक का फॉंट साइज 14 (बोल्ड) होना चाहिए ।
- अन्य विषयों का फॉंट साइज 12 सामान्य होना चाहिए।
- यथा संभव इस प्रारूप का पालन किया जाना अपेक्षित है।